प्रभात

छिपाएंगे नहीं, छापेंगे

facebook-Subharti Tv Twitter-Subharti Tv

ऊर्जा के वैकल्पिक संसाधानों की उपलब्धता पर किया मंथन

आयोजन

- एस.एम.एस. लखनऊ में दो दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार

लखनऊ-प्रभात

स्कूल ऑफ मैनेजमेंट साईसेज, लखनऊ में दो दिवसीय 'सोर्सेज़ ऑफ प्लैनेट एनर्जी, इनवायरमेंटल एण्ड डिजास्टर साईन्सः इम्पैक्ट ऑफनॉन कन्वेन्शनल एनर्जी रिसोरसेज' स्पीड्स-2019 विषयक अन्तराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में देश-विदेश के वैज्ञानिकों एवं पर्यावरणविदों ने भाग लिया तथा भविष्य में जनसामान्य के लिये ऊर्जा के वैकल्पिक संसाधानों की उपलब्धता पर विचार मंथन किया।

संगोष्ठी के प्रथम दिन इनाग्रल सेशन में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 आलोक कुमार राय, मुख्य अतिथि ने पधार कर संगोष्ठी को सम्बोधित किया, उन्होंने अपने सम्बोधन में सौर ऊर्जा को वैकल्पिक ऊर्जा संसाधन के रूप में उपयोगिता पर बल दिया। प्रो0 (डा0) एस0के0 शुक्ला, भूतपूर्व कुलपति, रॉची विश्वविद्यालय एवं इंडियन नेशनल साईंस एकेडमी से डॉ0 सी0एम0 नौटियाल, इंस्टीट्यूशन्स ऑफ इंजीनियर्स यू.पी. स्टेट सेंटर, लखनऊ के चेयरमैन आर.के. त्रिवेदी ने अपने सम्बोधन में ग्लोबल टैम्प्रेचर पर चिंता व्यक्त करते हुए वैकल्पिक संसाधनों पर जोर दिया। सभी वक्ताओं ने अपने सम्भाषण में अलग-अलग वैकल्पिक संसाधनों की उपयोगिता के महत्व को बताया। स्कूल ऑफमैनेजमेंट साईसेज, लखनऊ के निदेशक प्रो0(डा0) मनोज मेहरोत्रा ने वैज्ञानिकों एवं पर्यावरणविदों का स्वागत करते हुए संस्थान की उपलब्धियों के बारे में बताया।

संगोष्ठी के दूसरे दिन वैलीडेक्ट्री सेशन का आयोजन किया जायेगा जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रो0 वी0के0 सिंह, कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय यूनिवर्सिटी, गोरखपुर के साथ ही प्रो0(डॉ0) ओंकार सिंह, भूतपूर्व कुलपति, मदन मोहन मालवीय यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, गोरखपुर भी भाग लेंगे। उक्त संगोष्ठी संस्थान के निदेशक प्रो0 (डॉ0) मनोज मेहरोत्रा तथा महानिदेशक (तकनीकि) एवं पर्यावरणविद् प्रो0 (डॉ0) भरतराज सिंह की अगुवाई में तथा संस्थान के सचिव एवं मुख्यकार्यकारी अधिकारी शरद सिंह के संरक्षण में सम्पन्न किया जाना सुनिश्चित है।

कोरोना बनी मुसीबत

कुशीनगर-प्रभात। चीन में महामारी का रूप ले चुके कोरोना वायरस ने बौद्ध सर्किट के पर्यटन की कमर तोड़ दी है। अब तक 125 चीनी पर्यटकों के ग्रुप ने बुकिंग निरस्त कर दी है। जिससे पर्यटन व्यवसाय को पांच करोड़ रुपए से अधिक की चपत लगी है। बुद्ध की निर्वाण स्थली कुशीनगर, प्रथम उपदेश स्थल सारनाथ, कपिलवस्तु तपोस्थली श्रावस्ती में चीन से आने वाले पर्यटकों की संख्या में बेहद कमी हो गई है। गत वर्ष के मुकाबले चीन से दुनिया के अन्य देशों से आने वाले विदेशी मेहमानों की संख्या में 40 प्रतिशत की कमी आई है। अकेले कुशीनगर के आधा दर्जन प्रमुख होटलों में कुल 125 विदेशी पर्यटक समूह की बुकिंग कैंसिल हुई है।